भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न सं. †1334
सोमवार, 11 दिसम्बर, 2023/20 अग्रहायण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पश्चिम बंगाल में एसडीएस-2.0 परियोजना का समावेशन

†1334. श्री खगेन मुर्मु:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या पश्चिम बंगाल में स्वदेश दर्शन-2.0 के अंतर्गत परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय (एमओटी) ने पर्यटक एवं गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण के साथ स्थायी और जिम्मेदार पर्यटक गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन योजना 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है। एसडी 2.0 योजना दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य सरकारें/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन, प्रमुख पर्यटन आकर्षण, पेशकश, कनेक्टिविटी, मौजूदा पर्यटन ईको सिस्टम, राज्य सहायता आदि जैसे कारकों के आधार पर विभिन्न गंतव्यों की पर्यटन क्षमता का विश्लेषण करते हुए एक राज्य संदर्शी प्लान (एसपीपी) तैयार करते हैं और पर्यटन मंत्रालय संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन के परामर्श से निर्धारित प्रक्रियानुसार इस योजना के अंतर्गत विकास हेतु गंतव्यों का चयन करता है।

पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार ने एसडी 2.0 के अंतर्गत पश्चिम बंगाल में विकास के लिए गंतव्यों के चयन हेतु पर्यटन मंत्रालय को राज्य संदर्शी प्लान (एसपीपी) नहीं भेजा है।

तथापि पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत वर्ष 2015-16 में 67.99 करोड़ रु. की संशोधित लागत से 'समुद्रतट परिपथः उदयपुर – दीघा – शंकरपुर – ताजपुर – मंदारमणि – फ्रेसगंज – बक्खलई – हेनरी द्वीप का विकास' नामक एक परियोजना को स्वीकृति दी थी। पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार द्वारा इस परियोजना के भौतिक रूप से पूरा होने की सूचना मिली है।

*****